~~Sociology~~

D-I(H) Paper-II

Critically evaluate Durkheim's theory of Suicide

Emile Durkheim फ्रांस का रहने वाला था। जिन्होंने समाज-शास्त्र को एक objective Science बनाते हुए इसका एक स्वतंत्र विषय क्षेत्र का प्रतिपादन किया। Durkheim के बारे में यह कहा जाता है कि वह एक Sociologistic school का समर्थक था। जिन्होंने समाज तथा व्यक्ति के बीच सम्बन्धों की चर्चा करते हुए समाज के प्रभूत्व को स्वीकार किया और ये विचार दिया की समाज व्यक्ति से प्रभावित नहीं होता बल्कि व्यक्ति समाज से प्रभावित होता है। इस सम्बन्ध में Durkheim ने विशेष रूप से Social fact की चर्चा की और Social fact को समाज का मौलिक variables स्वीकार किया। इनके अनुसार Social fact एक कल्पना नहीं बल्कि एक वास्तविक तथ्य है जो सामाजिक जीवन में पायी जाती है। इसलिए इसे एक सामाजिक वस्तु कहा जाता है। Durkheim ने ये भी विचार दिया कि समाज में अनेक Social fact पाए जाते हैं, परंतु किसी भी Social fact का निर्माण जैवकिय तथा मनोवैज्ञानिक तथ्यों के कारण नहीं होता बल्कि एक Social fact दूसरे Social fact के निर्माण का कारण बनता है। या दूसरे शब्दों में यह कहा जासकता है कि Social fact किसी दूसरे fact से प्रभावित नहीं होता बल्कि अन्य तथ्य मनोवैज्ञानिक या जैवकीय या अन्य प्रकार के तथ्य/Social fact से प्रभावित होता है। Social fact को स्पष्ट करते हुए Durkheim ने यह विचार दिया की Social fact मानव अवलोकन से स्वतंत्र होता है। अर्थात ये तथ्य उस पर निर्भर नहीं करता कि व्यक्ति उसे देखे बल्कि Social fact समाज में जब किसी वस्तु को या किसी सामाजिक घटनाओं को प्रभावित करता है तो उसका परिणाम व्यक्ति को देखने को मिलता है। Durkheim के अनुसार Social fact मानव इच्छाओं से भी स्वतंत्र होता है, अर्थात मानव इच्छा के अनुसार न तो Social fact कार्य करता है, और न इच्छा के अनुसार उत्पन्न होता है बल्कि स्वयं Social fact मानव इच्छा को प्रभावित करता है। Social fact जब समाज में कोई प्रभाव छोड़ता है तभी उसका ज्ञान व्यक्ति को हो सकता है।

Durkheim ने Social fact के दो विशेषताओं का वर्णन किया है जो Exteriority तथा Constraint के नाम से जाना जाता है। Exteriority का अर्थ यह है कि Social fact सदा मानव मस्तिष्क को प्रभावित करता है और सभी प्रकार की मानसिक प्रक्रिया तथा

Scanned with CamScanner

मानसिक स्थितियाँ Social fact से ही प्रभावित होता है।
इन व्याख्याओं से यह स्पष्ट होता है कि Durkheim ने समाज की सभी घटनाओं के मौलिक कारण Social fact को स्वीकार किया है। और उनके अनुसार समाज में जो भी घटनाएँ होती है, या जिस प्रकार की प्रक्रिया कार्य करती है। या समस्याएँ होती है। उसका मौलिक कारण Social fact ही होता है। आत्महत्या के सम्बन्ध में अपने सिद्धांत को देते हुए Durkheim ने अपने दृष्टिकोण का जोरदार समर्थन किया और ये विचार दिया कि आत्महत्या का भी आरंभ से ही इस विचार का खंडन किया कि आत्महत्या एक International act of self destruction है क्योंकी यदि इस प्रकार की व्याख्या को स्वीकार किया जाय तो आत्महत्या में व्यक्ति की इच्छा को स्वीकार किया जाता है या व्यक्ति की इच्छा का महत्व दिया जाता है या जो एक मनोवैज्ञानिक कारक है। इसलिए Durkheim ने ये विचार दिया की आत्महत्या एक Social act of self Destruction है। इसलिए Social fact को आत्महत्या का कारक कहा जा सकता है।
Durkheim ने आत्महत्या से सम्बन्धित जो विचार दिया है वे केवल उनकी कल्पना पर आधारित नहीं है बल्कि उन्होंने Monographic Date की तुलनात्मक व्याख्या करते हुए अपना सिद्धांत प्रस्तुत किया और आत्महत्या का अध्ययन Comparative के सिद्धांत के आधार पर किया। इस प्रकार उन्होंने इस समस्या के अध्ययन में वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग किया। इसलिए आत्महत्या से सम्बन्धित Durkheim का ये सिद्धांत Sociological school के दृष्टिकोण का विशेष रूप से समर्थन किया है।
Durkheim ने आत्महत्या का अध्ययन करते हुए विभिन्न समूहों में आत्महत्या की दर से सम्बन्धित विभिन्न आँकड़ों का भी अध्ययन किया और इन आँकड़ों का अध्ययन उन्होंने तुलनात्मक ढंग से करते हुए इस निष्कर्ष पर पहुँचा की एक समाज में प्रत्येक वर्ष आत्महत्या की दर लगभग समान होती है। परन्तु प्रत्येक वर्ष गर्मी में आत्महत्या की दर जाड़े से अधिक होता है। Durkheim ने विभिन्न समूह में आत्महत्या की दर की तुलनात्मक अध्ययन करते हुए ये निष्कर्ष प्राप्त किया कि पुरुषों में महिलाओं की तुलना में, बूढ़ों में जवानों की तुलना में, गाँवों में रहने वाले लोगों की तुलना में, सैनिकों में नागरिक की तुलना में Protestant धर्म Catholic धर्म के मानने वाले की तुलना में, अविवाहित विधुर, विधवा तथा तलाकशुदा व्यक्तियों में विभाजित की तुलना में, संतानहीन जोड़ा में संतान रखने वाले लोगों की तुलना में आत्महत्या की दर अधिक पायी जाती है। इन सभी आँकड़ों

Scanned with CamScanner

की व्याख्या देते हुए Durkheim ने ये विचार दिया कि स्पष्ट रूप से ये प्रतीत होता है कि आत्महत्या की दर में इस अन्तर का कारण नता Biological factor, Psychological factor, Aleenatic factor है, बल्कि वास्तव में आत्महत्या का कारण सामाजिक तथ्य या Social fact है Durkheim के इस प्रकार के दृष्टिकोण की चर्चा करते हुए Margrat Wilvshvine ने ये विचार दिया कि on this Surface some of these facts appear as cosmic psychological & Geographycal as wen as Social oncloser Examination he wever Durkheim showees that the under line causes were in relity Social. Durkheim ने स्वयं विचार दिया की पुरुषों की तुलना में महिलाओं में आत्महत्या कम पायी जाती है। तो इसका कारण लिंग भिन्नता नही है। बल्कि collective existence में महिलाएँ पुरुषों की तुलना में कम भाग लेती है। इसलिए इसके अच्छे या बुड़े प्रभाव का स्त्रियाँ कम महशुसकरती हैं, फलस्वरूप महिलाओं में आत्महत्या कम पायी जाती है। इस प्रकार आत्महत्या का मौलिक कारण Social fact होता है

आगे चर्चा करते हुए Durkheim ने तीन प्रकार के Social fact की चर्चा किया है। जो आत्महत्या को मौलिक कारण होता है, जिन्हे Durkheim ने Altruistic social fact, Egoistic social fact & Anomic social fact कहा है। इन कारणों के आधार पर ही इन्होने आत्महत्या को तीन प्रकार से विभक्त किया है :- (1) Altruistic Suicide, (2) Egoistic Suicide & (3) Anomic Suicide.

(1) Altruistic Suicide → Altruistic Suicide की चर्चा करते हुए Durkheim ने ये विचार दिया कि एक व्यक्ति जब अपने समाज में इतना घुस-मीस जाता है कि वह समाज से अलग होकर अपना कोई Existance समझता और वह समाज के स्वार्थ को ही अपना स्वार्थ स्वीकार करता है तो ऐसी स्थिति को Durkheim ने Altruistic ~~Suicide~~ का नाम दिया है। इस स्थिति में यदि एक समूह या समाज को किसी प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति अपना प्राण देकर भी समाज या समूह की रक्षा करता है तो उसे Altruistic Suicide कहा जाता है। इसका अर्थ ये है कि इस प्रकार की आत्महत्या व्यक्ति को समाज से अधिक Integration के कारण होता है। Durkheim ने स्वयं इस तथ्य को स्वीकार किया है कि इस प्रकार की आत्महत्या Self Secrifice के रूप में पाया जाता है। Example - Durkheim ने कहा है कि भारतीय समाज में प्रचलित सती प्रथा को Altruistic Suicide का एक उदाहरण कहा जा सकता है। क्योंकी इसमें विधवाएँ

Scanned with CamScanner

सामाजिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपने पति की चिता के साथ अपने को जला डालती थी। इस प्रकार की आत्महत्या को Altruistic Suicide कहा जाएगा।

(2) Egoistic Suicide → Egoistic Suicide की चर्चा करते हुए Durkheim ने यह विचार दिया कि जब तक व्यक्ति अपने या समाज से इतना अलग रहने लगता है। समूह या समाज के प्रति वह व्यक्ति अपना कोई दायित्व ही नहीं समझता तो ऐसी स्थिति को Durkheim ने Egoistic की स्थिति कहा है और यदि कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में आत्महत्या कर लेता है तो उसे Egoistic Suicide कहा जाएगा। Durkheim के अनुसार ऐसी स्थिति में व्यक्ति पर समूह का कोई नियंत्रण नहीं रहता और जैसे-जैसे यदि नियंत्रण घटता जाता है वैसे-वैसे आत्महत्या की दर बढ़ती जाती है। उदाहरण के लिए अविवाहित व्यक्तियों में समाज के प्रति कम दायित्व होता है या सामाजिक स्वार्थों की चिन्ता अविवाहित व्यक्तियों में कम होती है। इसलिए अविवाहित व्यक्तियों में आत्महत्या की दर अधिक होती है। इसी प्रकार पुरुषों एवं स्त्रियों के बीच या सैनिक तथा नागरिकों के बीच आत्महत्या की दर में जो अन्तर पाया जाता है उसका भी कारण Egoistic है।

(3) Anomic Suicide → Anomic Suicide की चर्चा करते हुए Durkheim ने यह विचार दिया कि जब समाज में प्रतिमान प्रभावशाली नहीं रह जाता तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति निराश होकर आत्महत्या कर लेता है। तो उसे Anomic Suicide कहा जाता है। Durkheim ने यह व्याख्या की है कि युद्ध के समय या अकाल के समय या फिर तेजी से परिवर्तित होने वाली आर्थिक या सामाजिक स्थिति में कुछ व्यक्ति निराश होकर आत्महत्या कर लेते हैं तो इस प्रकार की आत्महत्या को Anomic Suicide कहा जाता है। इस प्रकार अचानक सत्ता में परिवर्तन के कारण कुछ व्यक्ति जब अपने को असुरक्षित महसूस करते हैं, तो वह निराश होकर आत्महत्या कर लेते हैं। उदाहरणार्थ:- भारतवर्ष में Emergency समाप्त होने के पश्चात् जब जनता सरकार सत्ता संभाली तो Delhi का लेफ्टीनेन्ट governer आत्महत्या कर ली थी। तो इस प्रकार की आत्महत्या को Anomic Suicide कहा जाता है।

मूल्यांकन

P.T.O →

इन व्याख्याओं से यह स्पष्ट होता है कि Durkheim ने आत्महत्या के सम्बन्ध में जो विचार दिया है, वे कल्पना पर आधारित नहीं है। बल्कि आँकड़ों पर आधारित है और साथ ही साथ वैज्ञानिक पद्धति से अध्ययन किए गए हैं इसलिए Durkheim का यह सिद्धांत वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व रखता है। और इसका ये सिद्धांत Sociologistic school का जिस ढंग से समर्थन करता है। किसी दूसरे विचारक का सिद्धांत इस school का समर्थन नही करता। इसलिए ये Durkheim का ये सिद्धांत Sociologistic school का एक महत्वपूर्ण Re-presentative समझा जाता। परन्तु Durkheim के इस सिद्धांत को पूर्णरूप से कई कारणों को स्वीकार नही किया जा सकता। Durkheim ने समाज में किसी भी घटनाओं का महत्वपूर्ण मौलिक कारण Social fact को स्वीकार किया है जो उचित नही इसलिए समाज के सभी घटनाओं के कारण किसी सामाजिक तथ्य को ही स्वीकार करना तर्क संगत नही प्रतीत होता है। दूसरा कारण Durkheim ने मुख्य रूप से आत्महत्या का जो सिद्धांत प्रस्तुत किया है और इसमे Social fact के महत्व की जो चर्चा की है। इससे व्यक्ति के महत्व को पूर्ण रूप से अस्वीकार किया गया है इसलिए ये आत्महत्या के इस सिद्धांत को पूर्णरूप से स्वीकार नही किया जा सकता, क्योंकि आत्महत्या में सामाजिक तथ्य जितने महत्वपूर्ण कारक है। व्यक्ति की इच्छा भी या mental state भी इससे कम महत्व नही रखता। इसलिए Durkheim का ये सिद्धांत स्वीकार नही किया जा सकता।

इसका तीसरा कारण Durkheim ने Self sacrifice को Altruistic suicide का है। जो उचित नही, बलिदान समाज में गौरव की बात समझी जाती है। अपने को बलिदान करना समाज में किसी प्रकार की बुराई नही समझी जाती। जबकि आत्महत्या को एक सामाजिक समस्या स्वीकार किया जा सकता है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति अपने परिवार या अपने देश के लिए बलिदान देता है तो उसे आत्महत्या नही कहा जा सकता है। इसलिए Durkheim के इस दृष्टिकोण से भी यह सिद्धांत नही किया जा सकता।

इसका एक कारण यह है कि Durkheim ने जिस प्रकार से Social fact की अवधारणा प्रस्तुत किया है और समाज के सभी प्रकार की समस्याओं, प्रक्रियाओं तथा घटनाओं का कारण Social fact को मौलिक कारण माना है वे भी स्वीकार नही किया जा सकता है। लेकिन Durkheim के Suicide का यह सिद्धांत मुख्यरूप से एक वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित एक सिद्धांत स्वीकार किया गया है। इस सिद्धांत के महत्व की चर्चा करते हुए Marg-ret Poison vine ने विचार दिया कि suicide combining imper-

cal evidene whith theorical explanation of a particular behavi-
ars is a land mark in Soziology the quantratie techrieanes ex-
plouyes in his study so genrely statical method of they
time were vay & re find.

S. N. Choudhary
L.N.M.U

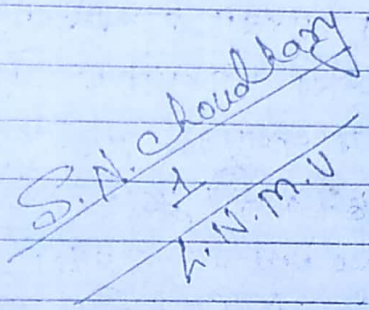

Scanned with CamScanner